अमेरिकन सॉफ्टवेयर बताएगा, अगले हफ्ते बीएसईएस क्षेत्र में होगी कितनी बिजली की जरूरत

नई दिल्लीः 17 दिसंबर, 2015। इन सर्दियों में बीएसईएस के 35 लाख उपभोक्ताओं को और बेहतर बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी। दरअसल, बीएसईस एक अमेरिकन सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल करने जा रही है, जो एक अभी ही बता देगा कि अगले सप्ताह पूर्वी, मध्य, दक्षिण और पश्चिम दिल्ली में बिजली की कितनी जरूरत होगी। सॉफ्टवेयर द्वारा बताए गए आंकड़ों को ध्यान में रखते हुए, समय से पहले ही पर्याप्त बिजली की व्यवस्था कर ली जाएगी।

अब तक विकसित देशों में ही बिजली की मांग का अनुमान लगाने के लिए ऐसे सॉफ्टवेयर्स का इस्तेमाल होता था। लेकिन, अब इस अंतरराष्ट्रीय तकनीक का फायदा बीएसईएस के 35 लाख उपभोक्ताओं यानी दिल्ली के करीब सवा करोड़ लोगों को भी होगा। इस तकनीक की सहायता से बीएसईएस अपने क्षेत्र में बिजली की मांग को सफलतापूर्वक पूरा कर पाएगी, और उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली मिलेगी।

बता दें कि इन सर्दियों में दिल्ली में बिजली की पीक डिमांड 4500–4600 मेगावॉट रहने की उम्मीद है। बीआपीएल इलाके में इन सर्दियों में बिजली की पीक डिमांड 1955 मेगावॉट और बीवाईपीएल में 950 मेगावॉट रहने का अनुमान है। बीएसईएस राजधानी पावर लिमिटेड और बीएसईएस यमुना पावर लिमिटेड ने सर्दियों में बिजली की बढ़ी हुई मांग को पूरा करने के लिए सभी तैयारियां कर ली हैं। लंबी अवधि के लिए बिजली खरीद समझौतों के अलावा, बीएसईएस को पावर बैंकिंग के माध्यम से भी पर्याप्त बिजली मिलेगी।

सर्दियों के अलावा, बीआरपीएल और बीवाईपीएल ने अभी से ही गर्मियों की तैयारियां भी शुरू की दी हैं। दोनों कंपनियां सर्दियों के दौरान जम्मू–कश्मीर को 100–100 मेगावॉट बिजली दे रही हैं। जम्मू–कश्मीर यह बिजली अगले साल मई से सितंबर के बीच बीआरपीएल और बीवाईपीएल को वापस करेगा। पावर बैंकिंग के तहत दी जा रही इस बिजली का फायदा बीएसईएस उपभोक्तों को गर्मियों में मिलेगा।